नाटो में सदस्य देश अपनी जीडीपी के 4% का योगदान करें:ट्रंप

drishtiias.com/hindi/printpdf/nato-member-countries-contribute-of-their-gdp-trump

संदर्भ

- डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रुसेल्स में नाटो शिखर सम्मेलन के सदस्यों से रक्षा क्षेत्र में जीडीपी का 4% तक खर्च बढ़ाने की आश्चर्यजनक मांग की है।
- दरअसल, उन्होंने नाटो के रक्षा क्षेत्र में मौजूदा योगदान को 2% के लक्ष्य से बढ़ाकर दोगुना करने की बात कही है।

प्रमुख बिंदु

वर्ष 2014 के वेल्स शिखर सम्मेलन में नाटो के सहयोगी सदस्य देशों ने 10 वर्षों के भीतर रक्षा क्षेत्र में जीडीपी का 2% खर्च करने पर सहमति व्यक्त की थी।

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (NATO)

♦ नाटो एक अंतर्सरकारी सैन्य गठबंधन है जिसकी स्थापना अप्रैल 1949 में हुई थी।
♦ वर्तमान में इस संगठन में 29 सदस्य देश शामिल हैं।
♦ इसका मुख्यालय ब्रुसेल्स, बेल्जियम में है।
♦ 1949 में इसके 12 संस्थापक सदस्य थे जिसमें बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, फ्राँस, आइसलैंड, इटली, लक्ज़मबर्ग, नीदरलैंड, नॉर्वे, पुर्तगाल, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।
♦ अन्य सदस्य देशों में ग्रीस और तुर्की(1952), जर्मनी (1955), स्पेन(1982), चेक गणराज्य, हंगरी और पोलैंड(1999), बुल्गारिया, एस्टोनिया, लातविया, लिथुआनिया, रोमानिया, स्लोवाकिया व स्लोवेनिया(2004), अल्बानिया एवं क्रोएशिया(2009) तथा मॉन्टेनेग्रो(2017) शामिल हैं।

- नाटो के नवीनतम प्रकाशित आँकड़ों के मुताबिक, जो देश रक्षा क्षेत्र में जीडीपी का 2% या उससे अधिक खर्च के लक्ष्य को पूरा करते हैं, उनमें अमेरिका (3.6%), ग्रीस (2.2%), एस्टोनिया (2.14%), यूके (2.10%), और पोलैंड (2%) शामिल हैं। फ्रांस 1.8% और जर्मनी 1.2% खर्च करते हैं।
- उल्लेखनीय है कि जर्मनी द्वारा वर्ष 2030 तक रक्षा व्यय पर जीडीपी का 2% तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- ट्रंप लंबे समय से यूरोपीय नाटो के सदस्य देशों की आलोचना करते रहे हैं कि वे नाटो के लिये पर्याप्त भुगतान नहीं करते हैं।
- जर्मनी जो यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, अमेरिका द्वारा किये गये खर्च 3.5% की तुलना में 1.24% ही खर्च करती है।

- इसके साथ ही उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि जर्मनी पूरी तरह से रूस द्वारा नियंत्रित है क्योंकि उसे रूस से 60% से 70% ऊर्जा और एक नई पाइपलाइन मिल जाएगी।